RJ–05

June – Examination 2024

B.A. (Part III) Examination

RAJASTHANI

[प्राचीन एवं मध्यकालीन साहित्य (काव्य एवं गद्य)]

Paper : RJ-05

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **70***

निर्देश :- औ पेपर तीन खण्डां 'अ', 'ब' अर 'स' में बंट्योड़ौ है। खण्ड-'अ' में साव छोटा सवाल, खण्ड-'ब' में छोटा सवाल अर खण्ड-'स' में मोटा सवालां रा पड़ूत्तर देवणा है। हरेक खण्ड रै आगै दियोडा निर्देशां मुजब आपरा जवाब लिखौ।

खण्ड—अ **7×2=14**

(साव छोटा सवाल)

निर्देश :- इण खण्ड रा **सगळां सवालां** रौ पड़ूतर देणों जरूरी है। सबद सीव अेक सबद, अेक वाक्य, अर घणखरां **30** सबद है। हरेक सवाल **2** अंक रौ है।

1. (i) 'बीसलदेव रासो' रचना रै रचनाकार रौ नांव बतावो।

(ii) चारण सैली री कोई दोय विसेसतावां बतावो।

(iii) साँयाजी झूला री कोई दोय रचनावां रौ नांव लिखो।

(iv) मीरांबाई रै पिताजी रौ कांई नांव हो ?

(v) राणी रूपांदे रै गुरु रौ नांव बतावो।

(vi) कहाणी रा प्रमुख तत्वां रा नांव बतावो।

(vii) 'संस्मरण' री परिभाषा दिरावो।

खण्ड—ब **4×7=28**

(छोटा सवाल)

निर्देश :- किणी **चार सवाला** रा जवाब लिखो। पड़ूतर सीमा **200** सबद हरेक सवाल **7** अंक रौ है।

2. मध्यकालीन राजस्थानी काव्य री प्रमुख विसेसतावां री विरोळ करो।

3. डिंगल साहित्य री न्यारी-न्यारी सैलियां री विगत मांडो।

4. मीरां री भगती भावना नै उजागर करो।

5. डिंगल गीतकार ओपाजी आढ़ा रै काव्य री विरोळ करो।

6. मेहाजी कृत 'रामायण' री कथावस्तु आपरै सबदां में व्यक्त करो।

7. 'वेलि क्रिसन रुकमणी री' काव्य रचना रौ भाव पख उजागर करावो।

8. राजस्थानी संस्मरण साहित्य री विकास जातरा नै दरसावो।

9. राजस्थानी नाटक अर एकांकी विधा रौ अंतर स्पष्ट करो।

खण्ड—स **2×14=28**

(मोटा सवाल)

निर्देश :- नीचै लिख्योडां सवालां मांय सूं कोई **दो** सवाल करणां है। सबद सीमा **500** सबद है।

10. भगत कवि पृथ्वीराज राठौड़ रौ जीवण-परिचै नै दरसावो।

11. राणी रूपांदे रै भगती काव्य री निरख-परख उदाहरण सहित करो।

12. राजस्थानी रै प्राचीन अर मध्यकालीन गद्य साहित्य री विरोळ करावो।

13. राजस्थानी उपन्यास साहित्य री विकास जातरा पर टीप लिखो।